Mo.- 9410354318, 9012515795
www.kumaonjansandesh.com
Email- vinodpaneru123@gmail.com

कुमाऊं जनसन्देश

हिन्दी समाचार पोर्टल

डिजिटल एडिशन | हल्द्वानी (नैनीताल) | बुधवार, 03 जून 2020

क्या पांच जून को पौध लगाना है जरूरी, हरेला ही है सही दिन

गर्मी के दिनों (पांच जून) लगाए पौधों के जीवित रहने की संभावना रहती है बहुत कम

सबको लेना होगा लगाए पौधों की तीन साल देखभाल का संकल्प

आशुतोष पंत

हल्द्वानी। पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। इस दिन हमारे देश में भी पौधरोपण करने की होड़ सी लग जाती है। पर्यावरण के प्रति सजग रहना बहुत अच्छी बात है, पर पर्यावरण की चिंता साल भर में एक दो दिन ही नहीं होनी चाहिये। ये तो हमेशा ही हमारे दिलों दिमाग में और हमारे कार्यों में रहनी चाहिये। एक पक्ष यह भी है कि आम आदमी जो अपनी जीविका के लिये परेशान रहता है उसकी एक सीमा है। वह साल में एक दो दिन भी पर्यावरण के लिये कुछ कर दे तो काफी है और वह सही दिन हरेला पर्व का दिन है।

5 जून को पूरे देश में जगह जगह एनजीओ, सरकारी संस्थाएं और उत्साही लोग पौधरोपण करते हैं। इस दिन करोड़ों पौधे लगाए जाते हैं। यदि सच्चाई के साथ सर्वे कराया जाय तो साबित हो जाएगा कि इन पौधों में से 2 या 3 प्रतिशत भी नहीं बच पाते हैं। जबकि हरेला पर्व के आसपास लगाए गए पौधों के बचने की काफी सम्भावना रहती है।

इस वर्ष को अपवाद स्वरूप ले सकते हैं कि उत्तर भारत में जून के प्रथम सप्ताह में बारिश हुई है वरना हर साल इन दिनों तपती गर्मी रहती है। कितना भी पानी डाला जाय इन एक दो सप्ताह में नए रोप गए पौधों का बचना बहुत मुश्किल होता है। ये तो तब है जब नए पौधों को सुबह शाम पानी दिया जाय। आप लोगों ने देखा ही होगा कि लोग औपचारिकता में पौधा लगाते हैं। फोटो सेशन होता है उसके बाद लगाने वालों को याद भी नहीं रहता है कि उन्होंने पौधा कहां लगाया था। हमारे पूर्वजों ने बहुत सोच समझ कर हरेला पर्व के दिन पौधे लगाने का दिन तय किया था। इस दिन से चार महीने तक भूमि नम रहती है और पौधों के बड़े होने की परिस्थितियां रहती हैं। मदर्स डे, फादर्स डे की तरह क्या विदेशी तर्ज पर पांच जून को पर्यावरण दिवस मनाना जरूरी है। हमें अपने ऋतु क्रम के हिसाब से अपने पर्व तय करने चाहिए। यूरोपीय देशों में इस समय मौसम पौधरोपण के अनुकूल होता है। उत्तर भारत में 20 जून के आसपास वर्षा प्रारम्भ होती है। कुछ दिन की बारिश के बाद जमीन की तपिश कम हो जाती है यह पौधों के लिये अनुकूल हो जाता है। इसके बाद 4–5 महीने भूमि नम रहती है तो पौधे बच सकते हैं। हम सबको एक संकल्प लेना चाहिये कि साल भर में भले ही एक पौधा लगाएं पर कम से कम 3 साल तक उसकी देखभाल बच्चे की तरह करें।

5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने के इस दिन स्कूली बच्चों के पर्यावरण से सम्बंधित भाषण प्रतियोगिता, पेंटिंग प्रतियोगिता व इसी तरह की अन्य गतिविधियों से जागरूकता बढ़ाने वाले कार्यक्रम रखने चाहिए। पौधरूं कार्यक्रम को थोड़े दिन बाद बरसात शुरू होने पर करना चाहिये।

– लेखक डा. आशुतोष पंत राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सक हैं। वे तन–मन–धन से पर्यावरण के प्रति हमेशा सजग रहते हैं और साल में करीब दस हजार पौधे निशुल्क बांटते हैं।

मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना शुरु

मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने किया शुभारम्भ

विनिर्माण में 25 लाख रूपये और सेवा क्षेत्र में 10 लाख रूपये तक की परियोजनाओं पर मिलेगा ऋण

देहरादून। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने बीते गुरूवार को सचिवालय में मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना का शुभारम्भ किया। मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि इस योजना की जानकारी गांव–गांव तक पहुंचाई जाय ताकि युवा इस योजना का लाभ उठा सकें। जन प्रतिनिधियों एवं जिलास्तरीय अधिकारियों के माध्यम से योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार किया जाय। इस योजना के तहत लाभार्थियों को लोन लेने में कोई समस्या न हो इसके लिए जिलाधिकारी, बैंकर्स से समन्वय करें।

रिवर्स पलायन को मिलेगा बढ़ावा

मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना, राज्य के उद्यमशील युवाओं और कोविड–19 के कारण उत्तराखण्ड वापस लौटे लोगों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू की गई है। इससे कुशल और अकुशल दस्तकार, हस्तशिल्पी और बेरोजगार युवा खुद के व्यवसाय के लिए प्रोत्साहित होंगे। राष्ट्रीयकृत बैंकों, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों और सहकारी बैंकों के माध्यम से ऋण सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। राज्य सरकार द्वारा रिवर्स पलायन के लिए किए जा रहे प्रयासों में योजना महत्वपूर्ण सिद्ध होगी।

मार्जिन मनी होगी अनुदान के रूप में समायोजित

मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना में राष्ट्रीयकृत बैंकों, अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों, सहकारी बैंकों के माध्यम से सभी पात्र विनिर्माणक, सेवा और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए वित्त पोषित किया जायेगा। एमएसएमई विभाग द्वारा योजना के अन्तर्गत मार्जिन मनी की धनराशि अनुदान के रूप में उपलब्ध कराई जायेगी। विनिर्माण क्षेत्र में परियेाजना की अधिकतम लागत 25 लाख रुपये और सेवा व व्यवसाय क्षेत्र के लिए अधिकतम लागत 10 लाख रुपये होगी। एमएसएमई नीति के अनुसार वर्गीकृत श्रेणी ए में मार्जिन मनी की अधिकतम सीमा कुल परियोजना लागत का 25 प्रतिशत, श्रेणी बी व बी में 20 प्रतिशत तथा सी व डी श्रेणी में कुल परियोजना लागत का 15 प्रतिशत तक मार्जिन मनी के रूप में देय होगी। उद्यम के दो वर्ष तक सफल संचालन के बाद मार्जिन मनी, अनुदान के रूप में समायोजित की जायेगी। योजना के अन्तर्गत सामान्य श्रेणी के लाभार्थियों द्वारा परियोजना लागत का 10 प्रतिशत जबकि विशेष श्रेणी के लाभार्थियों को कुल परियोजना लागत का पांच प्रतिशत स्वयं के अंशदान के रूप में जमा करना होगा।

योजना में पात्रता की शर्तें

इस योजना के अन्तर्गत आवेदक की आयु कम से कम 18 वर्ष होनी चाहिए। शैक्षिक योग्यता की बाध्यता नहीं है। योजना के अन्तर्गत उद्योग, सेवा एवं व्यवसाय क्षेत्र में वित्त पोषण सुविधा उपलब्ध होगी। आवेदक अथवा उसके परिवार के सदस्य को योजना के तहत केवल एक बार लाभान्वित किया जायेगा। लाभार्थियों का चयन अधिक आवेदन प्राप्त होने पर प्रोजेक्ट वायबिलिटी को देखते हुए 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर किया जायेगा।

आवेदन की प्रक्रिया एवं योजना का क्रियान्वयन'

आवेदक, महाप्रबंधक एवं जिला उद्योग केन्द्रों में ऑनलाइन एवं मैनुअल आवेदन कर सकते हैं। योजना के क्रियान्वयन के लिए एमएसएमई के नियंत्रणाधीन उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड नोडल विभाग होगा। योजना का क्रियान्वयन जिला स्तर पर जिला उद्योग केन्द्र द्वारा किया जायेगा। बैठक में अपर मुख्य सचिव मनीषा पंवार, मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार रमेश भट्ट, आईटी सलाहकार रवीन्द्र दत्त, निदेशक उद्योग सुधीर नौटियाल आदि उपस्थित थे।

बेरोजगारों के लिए सरकार ने शुरू किया होप पोर्टल

पोर्टल में पंजीकरण कराने के बाद रोजगार–स्वरोजगार शुरू करने में मिलेगी सहायता

कुमाऊं जनसन्देश डेस्क

नैनीताल। मुख्य विकास अधिकारी विनीत कुमार ने विकास भवन सभागार में बैठक लेते हुए कहा कि उत्तराखण्ड शासन द्वारा कोविड– 19 के कारण प्रदेश में वापस आए प्रवासियों के कौशल विकास एंव रोजगार – स्वरोजगार के अक्सर उपलब्ध कराने के लिए होप पोर्टल का शुभारम्भ किया गया है जिसमें संबंधित जानकारी अभ्यर्थी होप पोर्टल 'िवचम.ना. हवअ.पद जिसके द्वारा प्रवासियों को रोजगार–स्वरोजगार प्रदान करने में सहायता होगी।

मुख्य विकास अधिकारी ने जिला सेवायोजन अधिकारी नारायण सिंह दरम्वाल को निर्देश दिये कि वे जनपद में आये प्रवासियों का होम पोर्टल में पंजीयन कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इस संबंध में ट्रोल फ्री नम्बर 1905 अथवा मेल आईडी Skilleduttarakhnad@gmail.com के साथ ही कन्ट्रोल रूम नम्बर 05946–281234,253850, जिला संवायोजन कार्यालय नैनीताल नम्बर 05942–236087, नगर संवायोजन कार्यालय हल्द्वानी 05946–234170, नगर सेवायोजन कार्यालय रामनगर 05947–252654 तथा विकास खण्ड कार्यालय हल्द्वानी 05946–261064, रामनगर 05947–251274, कोटाबाग 05947–285064, रामगढ़ 05942'281405, भीमताल 05942–247096, धारी 05942–246009, बेतालघाट 05942–241614, ओखलकाण्डा 05942–243331 जानकारी ले सकते है। उन्होंने जनपद के युवाओं से अपील की है कि अधिक से अधिक पोर्टल का लाभ उठाकर पंजीयन कराये। बैठक में जिला विकास अधिकारी रमा गोस्वामी, पंचायत राज अधिकारी अतुल प्रताप सिंह, प्राचार्य आईटीआई जेएस जलाल, सहायक श्रमायुक्त उमेद सिंह चौहान, सहायक प्रबन्धक उद्योग ओपी भट्ट आदि मौजूद थे।

कुमाऊं जनसंदेश पब्लिकेशन
देवलचौड़ रामपुर रोड हल्द्वानी
➤ फ्लेक्स प्रिंटिंग ➤ शादी कार्ड